Co-funded by the
Erasmus+ Programme
of the European Union

बिल्डुंग क्या है?

और वयस्क के सीखने व शिक्षा से कैसे संबंधित है?

एक संक्षिप्त परिचय–द्वारा लेने रैचल एन्डरसन

बिल्डुंग, एक जटिल और मायावी घटना है और इस अवधारणा की यूरोपीय सोच और शिक्षा में गहरी जडें है। क्लासिकल युग में, ग्रीक ने इसे ''पेडिया'' कहा और 1600 के दशक में प्रोटेस्टैंट पायटिस्टों ने इसे मसीह की छवि (जर्मन:बिल्डद्ध में व्यक्तिगत, धार्मिक, आध्यात्मिक और नैतिक विकास के रूप में खोजा। 1774 से 1890 के आसपास हेर्डर, शिलर और वॉन हंबोल्ट जैसे विचारकों ने–भावनात्मक, नैतिक और बौद्धिक विकास, सांस्कृतिकरण और शिक्षा, साथ ही एक नागरिक के रूप में अपनी भूमिका को संबंधित कर बिल्डुंग को एक धर्मनिरपेक्ष घटना के रूप में खोजा। 1840 और 1850 के दशक में, बिल्डुंग की इस धर्मनिरपेक्ष जर्मन समझ ने लोकबिल्डुंग–एक डेनिश आविष्कार को प्रेरित किया; जो न केवल मध्यम वर्ग के लिए, बल्कि डेनमार्क में ग्रामीण युवाओं के लिए भी था।

लोक–बिल्डुंग ने निम्न वर्ग को सशक्त बनाने के साथ ही डेनमार्क को शांतिपूर्ण रूपान्तरण के माध्यम से, एक गरीब, कृषि–आधारित, पूर्ण राजशाही से एक समृद्ध औद्योगिक लोकतंत्र में परिवर्तित किया। आज हमारी सभ्यता औद्योगीकृत राष्ट्र–राज्यों से, एक डिजिटल विश्व में परिवर्तित हो रही है, जहाँ सभी को फलने–फूलने की आवश्यकता है। हमे। इसे शांतिपूर्ण ढंग से करने के लिए, सभी को सशक्त बनाने की जरूरत है और हमें 21वीं सदी के लिए लोक–बिल्डुंग की जरूरत है।

BILDUNG

वैसे बिल्डुंग की अनेक परिभाषाएँ है; यूरोपीय बिल्डुंग नेटवर्क के अनुसार इसकी परिभाषा निम्नलिखित है–

आपके समाज में फलने–फूलने के लिए; 'बिल्डुंग' आवश्यक शिक्षा और ज्ञान का संयोजन और संयुक्त व व्यक्तिगत रूप से स्वायत्तता रखने के लिए नैतिक तथा भावनात्मक परिपक्वता है।

बिल्डुंग भी आपकी जड़ों को जान रहा है और भविष्य की कल्पना करने में सक्षम है।

निम्नलिखित में, मैं बिल्डुंग के चार पहलुओं का सुझाव देने जा रही हूँ जो अपेक्षाकृत मूर्त हैं और जिन्हें एक साथ लाने पर, हमें बिल्डुंग की जटिलता को समझने और वयस्क शिक्षा में इसे संबोधित करने में मदद मिल सकती है। वे चार पहलू हैं– हस्तांतरणीय ज्ञान और समझ, गैर–हस्तांतरणीय ज्ञान और समझ, जिम्मेदारी की भावना का विस्तार और नागरिक सशक्तीकरण।

हस्तांतरणीय ज्ञान/अपने क्षितिज का विस्तार

बिल्डुंग का पहला पहलू संबंधित है, इसकी समझ को प्राप्त करने के लिए, दुनिया को समझने की योग्यता से, जिसमें हम रहते हैं और वह ज्ञान जिसे हम एक–दूसरे को सिखा सकते हैं। हस्तांतरणीय ज्ञान में–विज्ञान, गणित, शिल्प, भाषा, कहानियां, दर्शन, राजनीतिक विचारधारा, धार्मिक हठधर्मिता, इतिहास, नक्शा पढ़ना, साइकिल कैसे ठीक करें, यातायात नियम, ऑनलाइन ट्रेन टिकट कैसे बुक करें, कैसे खाना बनाना है, सोशल मीडिया आदि पर क्या पोस्ट न करें; यानी न केवल शैक्षिक ज्ञान बल्कि रोजमर्रा/प्रतिदिन

का ज्ञान या सामान्य ज्ञान भी सम्मिलित है। (जर्मन भाषा में सामान्य ज्ञान को अलगमाइनबिल्डुंग (।ससहमउमपदइपसकनदह) कहा जाता हैद्ध यह ज्ञान हम पुस्तकों, टेलीविजन, यूट्यूब वीडियो, शिक्षकों, मित्रों, इत्यादि के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। क्योंकि इस प्रकार के ज्ञान को हम एक व्यक्ति से दूसरे को हस्तांतरित कर सकते हैं और हम सदैव अपने क्षितिज का विस्तार कर सकते हैं। हम इसे क्षैतिज ज्ञान और समझ के रूप में भी संदर्भित कर सकते हैं।

बिल्डुंग रोज (ठनपसकपदह त्वेम) एक ऐसा मॉडल है जो समाज को सात ज्ञानक्षेत्रों (डोमेन) से मिलकर बना चित्रित करता है; उत्पादन, प्रौद्योगिकी, सौंदर्यशास्त्र, (राजनीतिक) शक्ति, विज्ञान, कथा और नैतिकता।

सभी मॉडलों की तरह, यह एक सरलीकरण है जो हमें बिल्डुंग का स्वरूप प्रदर्शित करता है, जिसे अन्यथा समझना मुश्किल है।

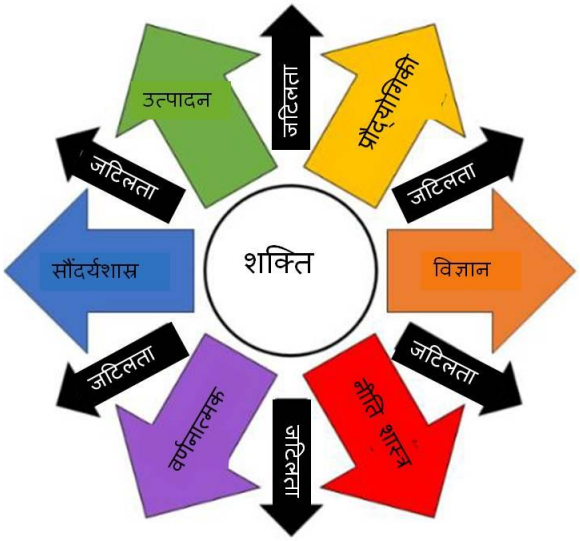

इसे समाज रोज (वबपमजल त्वेम) के स्थान पर बिल्डुंग रोज (ठनपसकनदह त्वेम) कहे जाने का कारण है कि हमें फलने–फूलने के लिए अपने समाज के सभी सात ज्ञान क्षेत्रों को समझने की जरूरत है। इतनी बात करने के लिए, हमारी आंतरिक दुनिया को बाहरी दुनियां का प्रतिनिधित्व करने की जरूरत है। हमारे, दिमाग/बुद्धि को यथासंभव सातों

BILDUNG

ज्ञान–क्षेत्रों को अधिकतम समझने योग्य होना जरूरी है ताकि हम अपने समाज का सुरक्षित संचालन करने और तथ्यों/सूचना पर आधारित निर्णय लेने में सक्षम बनें।

जैसे–जैसे समाज बड़े और अधिक जटिल होते जाते हैं, वैसे ही प्रत्येक ज्ञान क्षेत्र (डोमेन) भी जटिल होता जाता है। इसलिए हमें आपस में और अधिक ज्ञान का हस्तांतरण करना आवश्यक है ताकि समाज में प्रत्येक व्यक्ति समझने और उसमें पनपने/फलने–फूलने में सक्षम हो सके।। बिल्डुंग रोज दर्शाता है कि फलने–फूलने के लिए और अपने परिवेश में क्या घटता/चलता रहता है, उसे समझने (डिकोड) करने में सक्षम होने के लिए, हमें कई प्रकार के हस्तांतरणीय ज्ञान की आवश्यकता होती है और हम हमेशा एक निश्चित क्षेत्र में ज्ञान का अधिक गहराई से पता लगाकर, एक विशेषज्ञ बन सकते हैं या अपने क्षितिज को विस्तृत कर संदर्भ को और अधिक समझ सकते हैं।

हस्तांतरणीय ज्ञान के लिए, हमारे पास बहुत से संस्थान और कार्यक्रम हैं; प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक शिक्षा से लेकर कई प्रकार की अनौपचारिक शिक्षा और जीवनपर्यंत सीखना। शिक्षण/अध्यापन–विषयक विभिन्न विधियाँ है, लेकिन सभी आधुनिक समाज इन्हें बेहतर जानते हैं; हमे बस प्राथमिकता तय करने की आवश्यकता है। इसके लिए हस्तांतरणीय ज्ञान को, समझ बनने के लिए, हमें अपने ज्ञान को वास्तविक दुनियाँ में आजमाने की और/या अकेले या दूसरों के साथ बातचीत में इसपर प्रतिबंबित करने की जरूरत है।

अहस्तांतरणीय ज्ञान/भावनात्मक गहराई और नैतिकता

बिल्डुंग का दूसरा पहलू हमारे नैतिक और भावनात्मक विकास से संबंधित है। यह इस प्रकार का ज्ञान है जो स्वयं जीवन से ही आता है, निराशाओं का सामना करना,

प्यार में पड़ना, दिल टूटना, माता–पिता बनना, खेल हारना, खेल जीतना, दोस्तों से जुड़ना, जिम्मेदारी लेना, असफल होना, सफल होना, बीमार माता–पिता की देखभाल करना, पति या पत्नी को खोना, नौकरी/काम पर कुछ उल्लेखनीय हासिल करना, आदि। जब हम विभिन्न प्रकार के अनुभवों से गुजरते हैं, हम उनसे सीख सकते हैं और हम अपने तथा अन्य लोगों के बारे में सीख सकते हैं। परंतु यह इस प्रकार का ज्ञान नहीं है जिसे सीधे ही हस्तांतरित कर सके।। मैं दूसरों को अपने दिल टूटने के बारे में बता सकता हूँ, लेकिन यह इस प्रकार का ज्ञान नहीं है जिसे सीधे किसी का दिल तोड़े बिना, ही बताया/दिया जा सके।

अन्य लोगों के साथ जुड़कर, उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना और उनकी उम्मीदों पर खरा न उतरना, गलतियां करके और सफल होकर और सभी प्रकार के पुशबैक का सामना कर, हम उनसे समायोजित होकर, हम एक अलग तरह की समझ हासिल करते हैं और तब जब हम अपने क्षितिज का विस्तार करते हैं, हम अलग प्रकार से विकसित होते हैं। जब हम दूसरों को (या खुद को) नीचा नहीं दिखाना चाहते; तब हम भावनात्मक गहराई को प्राप्त करते हैं और उम्मीद हैं, उच्च नैतिक आकाक्षांओं को भी। इस प्रकार हम इसकी कल्पना लम्बवत् विकास या ऊर्ध्वाधर ज्ञान और समझ के रूप में कर सकते हैं।

इसे 20वीं शताब्दी में, जीन पियाजे, लॉरेन्स कोहलबर्ग और रॉबर्ट केगन ने विकासात्मक मनोविज्ञान में खोजा। लेकिन यह वह भी है जिसकी जीन जैक्स् रूसो ने 'एमिल में शिक्षा (1762) के रूप में, जोहन गॉटफ्रीड हर्डर ने "आओ आइन फिलोजोफी देआह गशेष्ट जुआह बिल्डुंग देआह मैनशाइट/।नबी मपदम चैपसवेवचीपम कमत ळमेबीपबीजम

Co-funded by the
Erasmus+ Programme
of the European Union

‚नत ठपसकनदह कमत डमदेबींमपज“ (1774) के रूप में और फ्रेडरिक शिलर ने श्इमत कपम त्तेजीमजपेबीम म्रपमीनदह कमे उमदेबीमद पद मपदमत त्मपीम अवद ठतपममिद (1795) के रूप में खोजा।

शिलर के अनुसार, लोग तीन प्रकार के होते हैं और प्रत्येक प्रकार, बिल्डुंग की अवस्था से परिभाषित है:

एक बाह्य भावनात्मक व्यक्ति, जो अपनी भावनाओं का गला घोटता है और उससे ऊँचा नहीं उठ सकता।

- शिलर के अनुसार, अपनी भावनाओं से ऊँचा उठने के लिए, हमें सौन्दर्य और सौन्दर्यशास्त्र को शान्त करना जरूरी है, जो हमारी भावनाओं को समाज के मानदण्डों के साथ संरेखित करता है; तब हम रूपान्तरित हो बदल सकते हैं और बन सकते हैं।

एक तार्किक व्यक्ति जिसने स्वयं को समाज के नैतिक मानदंडों के साथ संरेखित कर, उन मानदंडों को अपना बना लिया है; यह व्यक्ति उन मानदंडों और अपेक्षाओं से आगे नहीं बढ़ सकता।

- शिलर के अनुसार, मानदंडों से ऊपर उठने के लिए, हमें स्फूर्तिदायक सौन्दर्य और सौन्दर्यशास्त्र जरूरी है जो हमें झकझोर और जगा सके; और फिर से हमारी भावनाओं को महसूस करा सके, जिससे हमें दूसरों की अपेक्षाओं से ऊँचा उठने और बनने की गुंजाइश मिल सके।

एक स्वतंत्र नैतिक व्यक्ति, जो अपनी भावनाओं और साझा नैतिक मानदण्डों के अनुसार, सही तथा गलत दोनों को महसूस करता है; क्योंकि यह व्यक्ति अपनी भावनाओं और दूसरों की अपेक्षाओं से ऊँचा उठ चुका है, अब वह अपने लिए सोच–विचार सकता है और इसलिए स्वतंत्र है।

शिलर जो सुझाव देते हैं, वह यह है कि हम इस ऊर्ध्वाधर ज्ञान और विकास को कला के माध्यम से प्रॉक्सी द्वारा (प्रतिनिधित्व द्वारा) प्राप्त कर सकते हैं। खूबसूरत संगीत सुनने के माध्यम से हम अपने आप को दूर ले जाने की इजाजत देकर, अपनी भावनात्मक माँसपेशियों का विस्तार/फैलाव कर सकते हैं। यही विचार, महान साहित्य के लिए जाना जाता है, जहाँ लेखक पात्रों के साथ इस तरह से पहचान कराता है कि हम जिस पात्र से गुजरते हैं, उसे महसूस कर सकें। हम परोक्ष रूप से, महान कला के माध्यम से अहस्तांतरणीय ज्ञान व समझ को स्थानांतरित कर सकते हैं।

शिलर के बिल्डुंग के तीन चरणों या दुनिया में रहने के तरीकों को कहने का एक और तरीका है:

- क्या मेरा जीवन, भौतिक संतुष्टि की खोज है?
- क्या मेरा जीवन, अपनी पहचान और सामाजिक प्रतिष्ठा की खोज है?
- क्या मेरा जीवन, क्या सही है–चाहे मेरे कुछ बहुत करीबी लोग उसे नापसंद करे और उसे कैसे प्राप्त करना है की खोज है?

इसके अतिरिक्त, एक चौथा चरण है जिसका उल्लेख शिलर ने नहीं किया है:

- क्या मैं दूसरों का विकास कर रहा हूँ?

हमारे सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा जैसे थिएटर, पुस्तकालय, मूवी थियेटर, कॉन्सर्ट हॉल आदि और नाटककारों, अभिनेताओं, निर्देशकों, ऑरगेस्ट्रा आदि माध्यम, वास्तव में ऊर्ध्वाधर गैर–हस्तांतरणीय ज्ञान को बढ़ावा देने के तरीके हैं, और ऐसा हो सकने के मध्यस्थ है तथा अत्यधिक कुशल कलाकारों की मांग करता है। इन अनुभवों की ऊर्ध्वाधर समझ बनने के लिए, चाहे अकेले या दूसरों के साथ बातचीत करके हमें ज्ञान पर चिंतन करने की आवश्यकता है। सभी आधुनिक समाजों के पास कलाकार हैं जो अहस्तांतरणीय ज्ञान और समझ को सौंदर्यशास्त्र/कला में बदल सकते हैं; हमें बस इसे प्राथमिकता देने की जरूरत है।

जिम्मेदारी की समझ का विस्तार/फैलाव

बिल्डुंग का तीसरा पहलू इस बात से संबंधित है कि हम किन सामाजिक समूहों की पहचान करते हैं और किसके लिए हम जिम्मेदारी लेने में सक्षम हैं। इसका वर्णन करने का सबसे सरल तरीका अपनेपन के मॉडल वृत्तों से संबंधित है:

इस मॉडल में 10 वृत्त हैं और मुद्दा वृत्तों की संख्या नहीं है, बल्कि यह है कि वे बाहर की ओर जटिलता में बढ़ते हैं।

पहला वृत्त/चक्र जिस पर हम नियंत्रण हासिल कर सकते हैं और जिम्मेदारी ले सकते हैं, वह है हमारा शरीर और हम स्वयं, अहंकार, और फिर हम वहाँ से अपनी दुनिया का विस्तार करते हैं। परिवार 1, वह परिवार है जिसमें एक का जन्म होता है, सहकर्मी समूह जिसे हम 5 वर्ष की आयु के आसपास स्थापित करना शुरू करते है और परिवार 2, वह परिवार होता है जिसे वयस्कता में स्थापित किया जाता है। वृत्त 5, समुदाय, कई समुदाय शामिल हो सकते हैं जैसे–कार्यस्थल, पूजा स्थल, स्पोर्टस क्लब, इत्यादि.

वृत्त 2–5, वास्तविक समुदाय हैं जिनमें हम या तो सभी को जानते हैं या कम–से–कम आँख से संपर्क कर सकते हैं/पहचानते हैं।

अपनेपन का छठा वृत्त, राष्ट्र–एक कल्पित समुदाय है, जो इसे आंतरिक वृत्तों से मौलिक रूप से अलग बनाता है। राष्ट्र–राज्य में ऐसे लाखों लोग हैं जिनसे हम कभी नहीं मिलेंगे और हमें करों का भुगतान करने और पूरे देश तथा उनकी देखभाल करने के लिए, उनके साथ पहचान बनाने/करने की आवश्यकता है।

सबसे अधिक कार्यशील लोकतंत्र में छठा वृत्त साझा भाषा के माध्यम से जुड़ा हुआ है, एक पब्लिक स्कूल प्रणाली, साझा अवकाश और परंपराओं, एक साहित्यिक परंपरा और लोक सेवा रेडियो और दूरदर्शन (टेलीविजन) पश्चिम (देशों) में हमने पिछले 200 वर्षों में हर किसी को इस छठवें वृत्त की देखभाल करने और अच्छे, निष्ठावान

नागरिक बनने के लिए शिक्षित करने की कोशिश की है और हमने इसमें भारी निवेश किया है।

21वीं सदी में हमें अभी भी कार्यशील लोकतांत्रिक राष्ट्र–राज्यों की आवश्यकता है और हमें सक्रिय नागरिक होने के माध्यम से व्यक्तियों के रूप में उनकी जिम्मेदारी लेने की आवश्यकता है, लेकिन हमें दुनियाभर में हमारे संस्कृति क्षेत्र (यानी यूरोप) की जिम्मेदारी लेने की भी आवश्यकता है, दुनियाभर में मानवता, दुनियाभर में सभी जीवन और, बायोटोप्स की भलाई और भविष्य में जीवन की भलाई। अपनेपन की भावना को महसूस करने और जिम्मेदारी लेने के बारे में, जागरूक होने के कारण, वृत्त 7–10 ने हमसे नई मांगें रखीं।

राष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्थानों और स्थानीय एवं राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत के माध्यम से हम राष्ट्रीय पहचान की मजबूत भावना पैदा करने में कामयाब रहे हैं और ऐसा करने के लिए अधिकांश शैक्षिक प्रणालियों की स्थापना की गई थी। अधिकांश स्थानों पर अपने देश से परे दुनिया के साथ पहचान की भावना पैदा करने मे।– सबसे पहले एक भाषा का बाधक के रूप में सामना करना पड़ता है, दूसरा सांस्कृतिक सुविधा क्षेत्र के बाहर पहला कदम उठाना कठिन हो सकता है। सौभाग्य से, प्रौद्योगिकी हमें यह देखने की गुजांइश देती है कि बाकी दुनिया में वास्तविक समय (त्मंस ज्पउम) में क्या चल रहा है और हम दुनियाभर के लोगों से जुड़ सकते हैं। सभी देशों में, दुनियाभर से अप्रवासी हैं। हमने अभी यह नहीं सोचा है कि बिल्डुंग को सभी के लिए अवसर में और अपनेपन के सभी 10 वृत्तों में पहचान और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के एक तरीके के रूप में कैसे बदला जाए।

नागरिक अधिकारिता या सशक्तिकरण/लोक बिल्डुंग

नागरिक सशक्तिकरण का अर्थ है नागरिक के रूप में संलग्न होने के लिए सुसज्जित और प्रेरित महसूस करना; इसका अर्थ है एक आंतरिक प्रेरक (ड्राइव) और बोलने तथा शामिल होने के लिए आत्मविश्वास। लोक–बिल्डुंग इसके लिए प्रशिक्षण स्थल है।

175 साल पहले डेनिश (दानिश) लोक हाईस्कूल, लोक–बिल्डुंग और युवा डेन्स (क्वंदमे) की पीढ़ियों को नागरिक भागीदारी के लिए प्रेरित करने में सफल रहे और कुछ हद तक अभी भी करते हैं, ज्मददमेमम में हाईलैन्डर लोक स्कूल ने डेनिश (दानिश) लोक स्कूल से सीखा और अपार सफलता प्राप्त की, लेकिन यह बिल्डुंग का हिस्सा है जो शायद सबसे कम खोजा गया।

आसानी से डरने वालों को साहसी बनाने, गैरदिलचस्प को दिलचस्प बनाने की उपयोगी विधियाँ, शायद एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में अलग (भिन्न) होती हैं, परंतु क्रोध, हताशा, अन्याय की भावना या एक विशिष्ट एजेंडे में एक व्यक्तिगत रूचि, सक्रियता के लिए अच्छे शुरूआती बिन्दु हो सकते हैं और परिवर्तन के आह्वान द्वारा की गई सक्रियता शिक्षा और बिल्डुंग के लिए एक महान प्रारंभिक बिन्दु है।

चार पहलुओं को एक साथ लाना

बिल्डुंग प्रक्रिया के साथ–साथ परिणाम भी है। 21वीं सदी के सबसे जटिल समाजों में पनपने/फलने–फूलने के लिए, लोगों को बहुत जटिल बिल्डुंग की जरूरत है और हम सभी के लिए तथा जीवन के विभिन्न चरणों के लिए, बेहतर बिल्डुंग के अवसरों

का विकास कर सकते हैं और करना चाहिए। व्यक्ति के लिए 21वीं सदी का अर्थ एक विकासात्मक और सीखने की प्रक्रिया है जो जीवनभर पूरी वयस्कता में जारी रहेगी।

प्रत्येक व्यक्ति के संबंध में बिल्डुंग को देखने का तरीका यह है कि इसके परिणाम या ''इस व्यक्ति के पास कितना बिल्डुंग है'', पर ध्यान केन्द्रित न करें। इसके बजाय सवाल यह होना चाहिए कि क्या व्यक्तिगत अनुभव मे। क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर समझ में वृद्धि हुई है, वह उम्र के साथ जीवन को अधिक अर्थपूर्ण पाता है और एक नागरिक के रूप में संलग्न होने के लिए अधिक सशक्त महसूस करता है और अपनेआप में आरामदायक और सुरक्षित महसूस करने के लिए, बड़े वृत्तों से पीछे हटने की बजाय वे अपनेपन के अपने वृत्त/दायरे का विस्तार करने के लिए उत्सुक और प्रेरित महसूस करते है।। जब भी कोई व्यक्ति, वर्षो। से, बढ़ी हुई अस्तित्वगत गहराई और अर्थ का आनंद नहीं लेता है, और अगर व्यक्ति अपने साथियों के बीच समझा नही। जाता, सम्मानित और भरोसेमंद महसूस नहीं करता है या अगर वह (बर्नआउट) व्याकुलता के साथ संघर्ष करता है, तो यह विचार करने योग्य हो सकता है कि उनके संदर्भ के लिए, क्या अपर्याप्त बिल्डुंग समस्या है।

बिल्डुंग व्यस्क के सीखने और शिक्षा से कैसे संबंधित है

कई वर्षो। से बहुत से स्थानों पर व्यस्क/प्रौढ़ के सीखने और शिक्षा (।स्म. ंकनसज स्मंतदपदह ंदक म्कनबंजपवद), ने मुख्यत: नौकरी के बाजार के लिए लोगों के कौशल को उन्नत करने पर ध्यान केन्द्रित किया है, जिसका अर्थ है कि यह मुख्य रूप से 'बिल्डुंग रोज' के दो ज्ञान-क्षेत्र (डोमेन) पर केन्द्रित है: उत्पादन और प्रौद्योगिकी।

सौन्दर्यशास्त्र (कला), राजनीतिक शक्ति (नागरिकशास्त्र), विज्ञान (विज्ञान के लिए), कथा (चाहे धर्म, इतिहास और/या राजनीतिक विचारधारा हो), और नैतिकता (जैसे, दर्शन), सभी ''एक शौक के रूप में रखना अच्छा'' की श्रेणी के अंतर्गत आ गई है। ।स्म व्यक्तिगत बिल्डुंग और सशक्तिकरण का स्थान होने के बजाय बाजार का सेवक रहा है; करदाताओं, यूनियनों, कंपनियों और ।स्म (ऐल) के अन्य भुगतानकर्ता के रूप में, हमने एक–दूसरो। में मजदूरों के रूप में निवेश किया है, नागरिकों के रूप में नहीं।

यह विषम फोकस (केन्द्र) और निवेश, केवल व्यक्ति के लिए सामान्य बिल्डुंग के दृष्टिकोण से ही समस्याग्रस्त नहीं है, इसका यह भी अर्थ है कि सामूहिक रूप से एक समाज के रूप में हम सार्वजनिक क्षेत्र में एक सूचित और समृद्ध बातचीत के माध्यम से सभी ज्ञान क्षेत्रों में मुद्दों और उनके बीच परस्पर क्रिया को संबोधित करने की क्षमता खो रहे हैं। हम जीडीपी (ळक्च) और रोजगार पर इस तरह चर्चा करते हैं जैसे की यह वहीं है, राजनीति जिसके बारे में मानी जाती है। (अधिकांश पश्चिमी लोग शायद सोचकर उस पर प्रतिक्रिया देंगे ''लेकिन यह वहीं है राजनीति जिसके बारे में है'' जहाँ सिर्फ बात को साबित करते हैं।)

बिल्डुंग रोज दिखाता है कि जो मायने रखता है, उसकी सीमित समझ, एक समस्या क्यों है:

दो शीर्ष ज्ञान–क्षेत्र (डोमेन), उत्पादन और प्रौद्योगिकी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो भौतिक रूप से यहां और अभी संभव है। मध्य भाग प्रतिनिधित्व करता है कि क्या संभव हो सकता है और निचला भाग–क्या होना चाहिए।

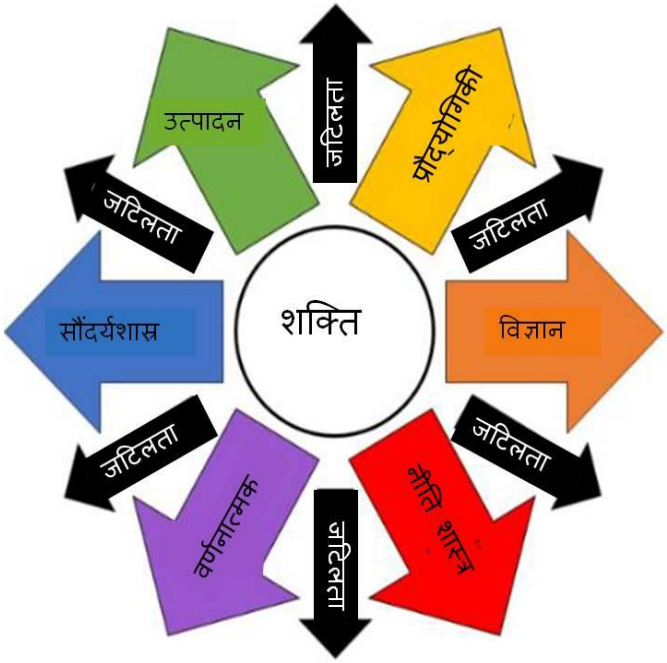

केवल भौतिक रूप से, यहाँ और अभी जो संभव है, उसे संबोधित करने के लिए खुद को शिक्षित करके और हमें खोजने के लिए तथा क्या संभव हो सकता है और क्या होना चाहिए को संबोधित करने के लिए अनअभ्यस्त बनाकर, हम उत्पादक तरीके से संबोधित नहीं कर सकते है:

- लोकतंत्र, एक सक्रिय नागरिक कैसे बनें और किस तरह की नीतियों और नए संस्थानों को संभालने के लिए, हमें उन चुनौतियों को देखना चाहिए जिन्हें हमारे राष्ट्र–राज्य व्यक्तिगत रूप से नहीं संभाल सकते हैं, जिनमो शामिल है:
- डिजिटलीकरण और इससे लोकतंत्र तथा मौजूदा अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली चुनौतियाँ
- जलवायु–परिवर्तन सहित पर्यावणीय समस्याओं की शाश्वतता और समाधान

- अन्य संस्कृतियों के प्रवासियों और सीखने की अक्षमता वाले लोगों सहित सभी के लिए शिक्षा; कौन कहता है कि समाज में योगदान करने का एकमात्र तरीका नौकरियों के माध्यम से है, जो सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में योगदान देता है?

बिल्डुंग (जैसा कि ऊपर खोजा या पता लगाया गया है) को ।स्म का केन्द्र बनाकर, ।स्म बन सकता है:

- **व्यक्ति के लिए**, एक नागरिक के रूप में और एक संपूर्ण मानव के रूप में व्यक्तिगत सशक्तिकरण का स्थान।
- **समुदाय के लिए**, सांप्रदायिक बंधन और समस्या समाधान के लिए एक बैठक स्थल; मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक बहुत ही संभावित कारक।
- **नियोक्ताओं के लिए**, शाश्वतता की गहरी समझ के साथ एक अन्य प्रकार के स्व-प्रेरित और निर्मित कार्यबल का स्रोत, कम्पनी के हितधारकों के बीच परस्पर क्रिया, और कार्यस्थल पर सतत्/शाश्वत विकास, समावेश वगैरह के लिए, जिम्मेदारी और स्वामित्व कैसे लेना।
- **समाज के लिए**, मानवता के सामने सबसे महत्वपूर्ण और जटिल मुद्दे-हमारा भविष्य और हमारे पास एकमात्र ग्रह, के बारे में एक योग्य लोकतांत्रिक बातचीत की नींव।